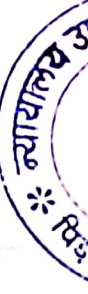


09/01/26

पत्रावली पेश हुई। वक्तुवाय फोरम उपस्थित।
बहस प्रा० पत्र 0929 cpc के परीक्ष्य में पत्रावली
पर उपलब्ध रिकार्ड का अवलोकन किया गया।

2. आग्नि० प्राचीगण (वाडीगण) द्वारा बहल में कथन
किया कि प्राचीगण प्रकरण में नियमित रूप उपस्थित
हो रहे थे लेकिन दिनांक 10/10/2019 के बाद न्यायालय
में पीछासीन आधीकारी द्वारा करीब 04 वर्षों तक
सुनवाई नहीं करने से और कोर्ट में नहीं बँटने
से प्राचीगण को तारीख पेशियों की जानकारी नहीं
हो पाई थी और वकील प्राचीगण द्वारा भी 09
तारीख पेशियों पर present रहकर बिना प्राचीगण
की सूचना दिये दिनांक 07/11/2024 को सुचानक
absent रहने से एकपक्षीय कार्यवाही कर दी गई
04 वर्षों तक court नहीं चलने एवं वकील प्राचीगण
द्वारा की गई गलती की सजा प्राचीगण किसानों
नहीं दी जावे। आगे तर्क किया कि प्राचीगण
का वाद khatedari rights की छोषणा का है
अतः प्राचीगण की डेरी को माफ कर प्रपत्रा
द्वारा - 5 Limitation Act को स्वीकार
order को set aside कर सुनवाई का अवसर



अहकाम
हुक्म की त
में जारी हु

अहकाम जो इस
हुक्म की तालीम
में जारी हुए

प्रदान कर गुणावगुण पर adjudication किया जावे।
3. आभी 0 अप्राथगिण का बहल का विरोध करते
हुए कथन किया कि प्राथगिण के विक्रम दिनांक
07/11/2024 को ex-parte order की 90 days के
बाद पेशा प्रपत्र OGR09 CPC को स्वीकृत किया
जावे। प्राथगिण को प्रकरण की पूर्ण जानकारी
थी लेकिन जानकारी अनुपस्थित रहे थी। बकील
प्राथगिण भी जानकारी absent रहे हैं अतः प्रपत्र
द्वारा -5 Limitation Act व OGR09 CPC स्वीकृत
करमावे जावे।

4. पत्रावली में उपलब्ध प्रकरण एन 123/2016
अनवान भीमबाई V/S कमलासिंह की order sheet
के अवलोकन से स्पष्ट है कि प्राथगिण/बकील
दिनांक 10/10/2019 तक court में नियमित रूप से
उपस्थित रहे हैं फिर Next hearing date से
लगभग 04 वर्षों से पीछलीन अधिकारी कोर्ट
में नहीं बँटते फिर दिनांक 08/08/2024 को
hearing हुई। 04 वर्षों तक P.O. के कोर्ट में
नहीं बँटने से प्रकरण में तारीख पर तारीख
देने से प्राथगिण को तारीख पेशी दिनांक
07/11/2024 की जानकारी (ग्रामीण-किसान) नहीं
होना स्वाभाविक प्रतीत होता है। बकील प्राथगिण
को भी प्राथगिण को सूचना दिये बिना absent
रहने से, प्राथगिण को सजा देना न्यायोचित नहीं
है। प्रकरण में दिनांक 07/11/2024 को ex-parte
order जारी हुआ था और प्राथगिण द्वारा दिनांक
23/01/2025 को यह प्रपत्र पेश किया है जो
30 days की सीमा से 47 की डेरा से पेश किया
गया है जो न्यायवित्त में माफ योग्य होने के



तारीख
हुक्म

हुक्म या कार्यवाही या मय इनिशियल्स जज

नम्बर
अहका
हुक्म का
में जारी

फ़ाउण्ड द्वारा - 5 Limitation Act द्वारा किया जाता है। प्राथमिकता का फ़ाउण्ड 09R9 CPC र.व.स. 151 CPC भी 500 रुपये की कोस्ट पर स्वीकार किया जाता है। प्राथमिकता के विवाद जारी ex-parte order dated 07/11/2024 को न्यायाधीन से set-aside किया जाता है। प्रकरण को पुनः नम्बर पर लिया जाता है। पत्रावली वास्तु वदल अंतिम दिनांक 16/01/2026 को पेश की।



[Handwritten Signature]

09/01/26

उपखण्ड अधिकारी
पिठावा, जिला इलाहाबाद (राज.)